an>

Title: Need to make river Aami in Eastern Uttar Pradesh pollution-free.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): जल जीवन का आधार है। भौतिक विकास के अन्धानुकरण ने आज के प्रमुख आधार ""जल प्रदूषण"" की भीषण समस्या पैदा की है। भीषण जल प्रदूषण के कारण जीव और जगत दोनों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। देश की मां तुल्य प्रमुख पवित्र नदियों गंगा, यमुना आदि बड़ी नदियां हो अथवा उनसे जुड़ी सहायक नदियां सभी को अनियोजित एवं अवैज्ञानिक विकास की सोच ने पूरी तरह प्रदूषित कर दिया है। गोरखपुर जनपद के बीच से बहने वाली और राप्ती नदी की सहायक नदी आमी पिछले कई वर्षों से इस अभिशाप से अभिशप्त है। राप्ती नदी सरयू नदी की सहायक नदी है तथा सरयू नदी गंगा नदी की सहायक नदी है। कभी आमी नदी के तटवर्ती गांवों में पूर्वी उ.प्र. की प्रमुख खेती के साथ-साथ पशुधन पलता था। मछुआरों की आय का भी प्रमुख साधन आमी नदी थी, लेकिन पहले खलीलाबाद की कथित औद्योगिक ईकाईयों द्वारा इस नदी को प्रदूषित किया गया जो अब भी जारी है। इसके साथ ही वर्तमान में गीडा और रूधौली में स्थित औद्योगिक ईकाईयों का कचरा भी इसी नदी में गिराए जाने के कारण इस नदी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। इस नदी के तटवर्ती गांवों में पशुधन, खेती, मछली पालन सब जल प्रदूषण की भेंट चढ़ गए हैं। यह नदी वर्तमान में भयंकर प्रदूषण के कारण पूरी तरह बदबू कर रही है। राप्ती नदी में मिलने पर कई कि.मी. तक इस नदी के कारण बड़ी संख्या में मछलियां मर रही है। स्थानीय स्तर पर इस भयंकर प्रदूषण के कारण जनता में भारी आक्रोश है।

कृपया ""नमामि गंगे"" योजनान्तर्गत राप्ती और आमी नदी को लेकर व्यापक जनहित आमी नदी को प्रदूषण से मुक्त किया जाए।